नव भारत, भोपाल
25 OCT 201[illegible]

खजुराहो उपलब्धि

खजुराहो निवेशक शिखर में एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि अनिल अंबानी समूह शहडोल के सासन और सीधी के चितरंगी में बारह हजार मेगावाट पावर का प्लांट लगायेगा जो देश में सबसे बड़ा होगा. यह तो जानकारी में नहीं है कि इस समय देश का सबसे बड़ा प्लांट कहां ओर कितने मेगावाट पावर का है.

यह भी एक उपलब्धि है कि राज्य के 25 ज़िलों धार, सतना, सीधी, रीवा, बालाघाट, गुना, झाबुआ, सागर, सिंगरौली, छतरपुर, होशंगाबाद, देवास, सीहोर, डिन्डोरी, छिंदवाड़ा, जबलपुर, दमोह, पन्ना, कटनी, मंदसौर, शहडोल, मुरैना, भोपाल, इंदौर और रायसेन जिलों में उद्योग लगाये जायेंगे. इस निवेशक शिखर में सवा दो लाख करोड़ के करार हुये हैं.

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का यह इरादा प्रशंसनीय है कि वह अभी तक जो भी निवेश करार हुये हैं उनकी वह हर तीन महीने में और उद्योग मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय हर माह समीक्षा करेंगे. अभी तक हुये करारों में जिन पर निवेशकों ने उद्योग लगाने की पहल नहीं की है उन्हें तुरंत ऐसा करने को कहा जायेगा या उनके करार निरस्त कर दिये जायेंगे. यह अपेक्षा की जाती है कि निश्चित ही कुछ निवेशक गंभीर नहीं होंगे, लेकिन कुछ ऐसे होंगे, जो सरकारी रुकावटों के कारण उद्योग नहीं लगा पा रहे हैं. कई निवेशकों ने यह बताया है कि उन्हें जमीन ही नहीं मिली. जाहिर है कि उद्योग हवा में तो लगाये नहीं जा सकते. क्या सरकार अति उत्साह में ऐसे करार कर रही है, जिनके लिये उनके पास जमीन ही नहीं है. अभी हाल की औद्योगिक नीति में भूमि बैंक का प्रावधान किया गया है, जिसे भूमि प्रदान का कार्य सौंपा गया है.

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि वे बंद पड़े उद्योगों को पुन: चालू करने का प्रयास करेंगे. मुख्यमंत्री सर्वप्रथम अपना ध्यान राज्य में बंद शक्कर मिलों भर देना चाहिये. राज्य में सबसे बड़ी सीहोर की शक्कर मिल थी. इसके अलावा डबरा, मुरैना, सहित राज्य में पांच शुगर मिलें थीं. जो लगभग बंद पड़ी है. मुरैना की शुगर मिल सरकारी क्षेत्र में थी. सीहोर शुगर मिल कुछ वर्षों पहले तक मुंबई के उद्योगपति भिवन्डी वाला चला रहे थे. उनसे एक, वालिया ने खरीद दिया. इस मिल के नाम पर बैंकों से पूरे परिवार ने भारी कर्जा उठा लिया और मिल बंद कर दी. एक समय देश में उत्तर प्रदेश शक्कर राज्य था. वहां सबसे ज्यादा मिलें थीं, लेकिन अब महाराष्ट्र अग्रणी राज्य है. यह महाराष्ट्र का करिश्मा है कि वहां की शक्कर मिलें सहकारी क्षेत्र में हैं और बड़ी कुशलता से चल रही हैं.

मुख्यमंत्री श्री चौहान को यह प्रयास करना चाहिये कि राज्य में शक्कर मिलें भी काफी मात्रा में लगाई जाये. इससे किसानों को गन्ने के रूप में 'क्रेश क्रास' प्राप्त होगी.